येशू के विषय में शुभवार्ता
नये करार से

प्रस्तावना

"Good News About Jesus" यह पुस्तिका आपके लिए हो सकती है।

१) प्रभु यीशु का परिचय देने वाली है।

२) प्रभु यीशु के सुसमाचार को संक्षेप में बताने वाली ।

३) और सारे संसार में यीशु का सुसमाचार फैलाने का एक शस्त्र है।

आगे के अध्ययन को बढ़ाने व और जानकारी प्राप्त करने के लिए तथा आप नया नियम, और पूर्ण बाइबिल प्रभु को पूर्ण रूप से जानने के लिए और बहुत आशीषित होने के लिए पढ़ सकते हो।

LENARD GALSTER

THE GOOD NEWS ABOUT JESUS

From the New Testament

Copyright © 1992 by Lenard Glaster

To my wife Ruth, and son David

1st printing, 1979
2nd printing, 1983
3rd printing, 1992
4th printing, 1994
5th printing, 2000
6th printing, 2002
7th printing, 2007

500,000 copies in print in English, French, Chinese, Spanish, Hindi, Arabic, Russian, German, Vietnamese, Korean, Thai, Karen, Samoan, Swahili, Latvian, Lithuanian, Luhyan, Ukrainian, Krahn, Somali, Amharic, Oromo, Urdu, Telugu, Tamil, Malayalan, as well as Braille, and large print. Kannada and Marathi Other languages are in preparation.

5000 Copies of thisHindi Edition is printed by the Shree Sumukh Mudran, Mumbai in 2007

Translator : **Mrs. Margaret March**

Cover Design : **Lenard Galster**

Artwork : **Mark Watkins**

Scripture references from the GOOD NEWS BIBLE. Copyright : American Bible Society. Used by permission

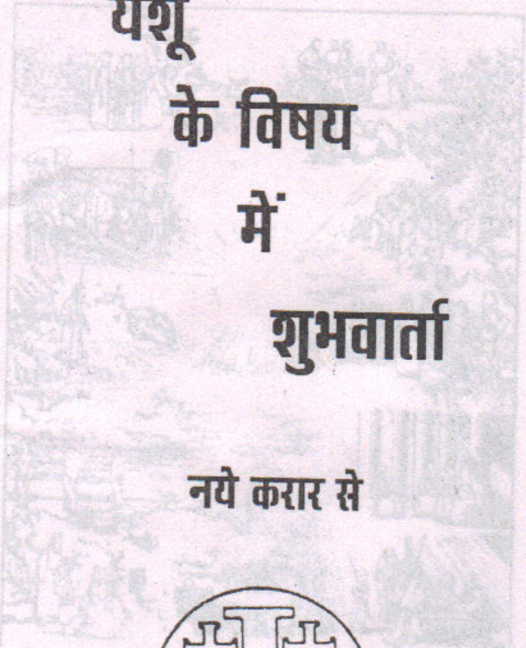

येशू के विषय में शुभवार्ता

नये करार से

JESUS

EVANGELISM

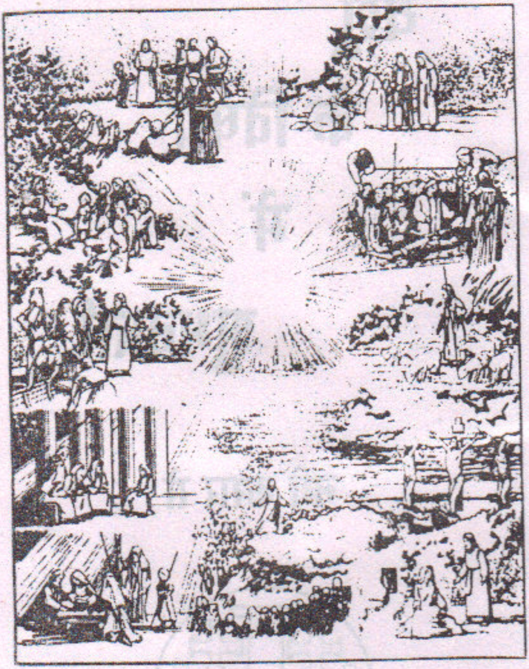

नया नियम से प्रभु यीशु के विषय में सुसमाचार सूचि

१) परमेश्वर यीशु के रूप में इस दुनिया में आया...
२) एक व्यक्ति के रूप में यीशु के विषय कुछ बातें
३) यीशु ने लोगों को अपने शिष्य होने के लिए बुलाया
४) यीशु अपने लोगों को शिक्षा व आशीष देता है।
५) यीशु अपने चेलों की ज़रूरतों को पूरा करता है।
६) यीशु अपने चेलों को शिक्षा व आशीष देता है।
७) यीशु प्रार्थना का उत्तर देता है।
८) यीशु लोगों के पाप क्षमा करता व उन्हें चंगा करता है।
९) यीशु लोगों को जीवन की पूर्णता व परमेश्वर की ओर ले जाता है।
१०) यीशु ने दुनिया को पापों से मुक्ति दी।
११) यीशु अपने लोगों को नया जीवन देता है।
१२) यीशु अपनी कलीसिया बनाता है।
१२) यीशु अपने लोगों को स्वर्ग ले जाता है।

भाग १

परमेश्वर यीशु के रूप में इस संसार में आया...

१) परमेश्वर यीशु के द्वारा लोगों में आया।

"परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के सुसमाचार का आरम्भ।" मरकुस १:१

"क्योंकि पिता को यही भाया कि समस्त परिपूर्णता उसी में वास करे कुलुस्सियों।" १:१९

"परन्तु जब समय पूरा हुआ तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा जो स्त्री से उत्पन्न हुआ और व्यवस्था के अधीन उत्पन्न हुआ।" गलातियों ४:४

२) "यीशु" के नाम का अर्थ है पापों से उद्धार देनेवाला

"उसका नाम यीशु रखना क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा" मत्ती १:२१

३) यीशु उद्धारकर्ता व प्रभु के रूप में आया और खुशियाँ लाया।

"तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा," डरो मत, क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूँ जो सब लोगों के लिए होगा। क्योंकि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिए एक उद्धारकर्ता जन्मा है और यही मसीह प्रभु है। लूका २:१०–११

४) प्रभु यीशु ने जहाँ जन्म लिया, निवास किया व कार्य किया वे स्थान आज भी मौजूद हैं।

राजा हेरोदेस के दिनों में यहूदिया के बैतलहम में यीशु का जन्म हुआ। मत्ती २:१

"और जब उसने सुना कि यूहन्ना बंदी बना लिया गया है, तो वह गलील को चला गया और वह नासरत को छोड़कर कफरनहूम में जो झील के किनारे जबूलून और नप्ताली के क्षेत्र में है, रहने लगा।" मत्ती ४:१२–१३

"जब यीशु ने अपनी सेवा आरम्भ की तो वह लगभग तीस वर्ष का था।" लूका ३:२३

भाग २

यीशु के व्यक्तित्व के विषय में कुछ बातें ।

५) यीशु ज्ञानी और प्रभावशील है।

"सब लोग जो उसकी सुन रहे थे उसकी समझ और उसके उत्तरों को सुनकर दंग रह गये।" लूका २:४७

"लोग उसके उपदेश से चकित हुए, क्योंकि वह उन्हें शास्त्रियों के समान नहीं, वरन् अधिकार से उपदेश दे रहा था।" मुरकुस १:२२

"सब लोगों ने उसकी प्रशंसा की और उसके होठों से जो वचन निकल रहे थे, उन पर अचम्भा किया।" लूका : ४:२२

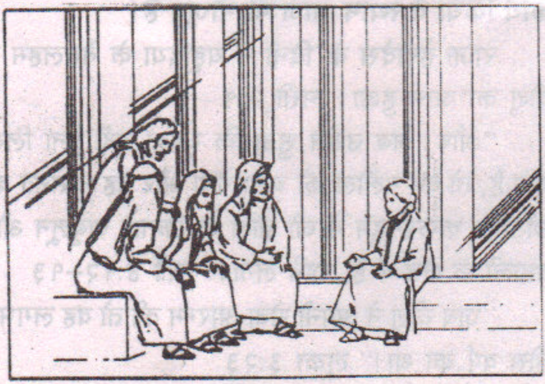

६) **यीशु लोकप्रिय हैं।**

''गलील और दिकापुलिस और यरूशलेम और यहूदिया और यरदन नदी के पार से भीड़ की भीड़ उसके पीछे चल पड़ी।'' मत्ती ४:२५

''जब उसने यरूशलेम में प्रवेश किया तो सारे नगर में हलचल मच गई और सब कहने लगे, ''यह कौन है?'' मत्ती २१:१०

७) **यीशु प्रेमी है ।**

''जैसे पिता ने मुझसे प्रेम किया है, मैं ने भी तुम से प्रेम किया है। मेरे प्रेम में बने रहो।'' यूहन्ना १५:१

९) **यीशु खुशियों से भरा है। (खुशाल है)**

''उसी क्षण वह पवित्र आत्मा में अत्यन्त आनन्दित हुआ।'' लूका १०:२१

''ये बातें मैंने तुमसे इसलिए कही है कि मेरा आनन्द पूरा हो जाये।'' यूहन्ना १५:११

१०) **यीशु एक अच्छा मित्र है।**

''अब से मैं तुम्हें दास नहीं कहता, क्योंकि दास नहीं जानता कि उसका स्वामी क्या करता है, परन्तु मैंने तुम्हें मित्र कहा है, क्योंकि वे सब बातें जो मैंने अपने पिता से सुनी हैं तुम्हें बता दी है।'' यूहन्ना १५:१५

११) यीशु लोगों के लिए दुखी होते हैं।

"जब वह निकट पहुँचा तो नगर को देख कर उस पर रोया।"

"मेरा मन बहुत उदास है, यहाँ तक कि मैं मरने पर हूँ।" मत्ती २६:३८

"यीशू रोया" यूहन्ना ११:३५

१२) यीशु व्याकुल होते हैं।

"तब यीशु उनके साथ गतसमनी नामक स्थान में आया, और उसने अपने चेलों से कहा" "जबतक मैं वहाँ जाकर प्रार्थना करता हूँ, तुम यहीं बैठो।" उसने अपने साथ पतरस और जब्दी के दो पुत्रों को लिया, और व्यथित तथा व्याकुल होने लगा।" मत्ती २६:३६-३७

१३) यीशु क्रोधित होते हैं।

"उसने चारों ओर उनको क्रोध भरी दृष्टि से देखा और उनके हृदय की कठोरता पर दुःखी हुआ।" मारकुस ३:५

१४) यीशु शान्त स्वभाव के हैं।

"वह वध होने वाली भेड़ के समान ले जाया गया, और जैसे मेमना ऊन कतरने वालों के सामने चुपचाप रहता है वैसे ही उसने भी अपना मुँह न खोला।"

१५) यीशु निष्पाप हैं।

"उसने न तो कोई पाप किया और न उसके मुँह से छल की कोई बात निकली।" १ पतरस २:२२

१६) यीशु क्षमाशील हैं।

"यीशु ने कहा, "हे पिता, उन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।" लूका : २३:३४

१७) यीशु सामर्थ्यवान है।

तब यीशु ने उनके पास आकर कहा, "स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।" मत्ती २८:१८

"वह उसकी महिमा का प्रकाश और उसके तत्त्व का प्रतिरूप है, तथा अपने सामर्थ्य के वचन के द्वारा सब वस्तुओं को संभालता हैं।" इब्रानियो १:३

१८) यीशु महिमामयी है।

"उनके सामने उसका रूपान्तर हुआ। औरउसका मुख सूर्य के समान चमक उठा, और उसके वस्त्र प्रकाश के समान श्वेत हो गये।" मत्ती १७:२

"वह जो बैठा था यशब और माणिक्य के सदृश दिखाई देता था, और उस सिंहासन के चारों ओर पन्ना के सदृश एक मेघ–धनुष दिखाई देता था।" प्रकाशित वाक्य ४:३

भाग 3

यीशु ने लोगों को अपना शिष्य बनने के लिए बुलाया

१९) यीशु ने लोगों से कहा कि वे उसके पास आयें और उसके साथ रहें।

"तुम सब मेरे पास आओ" मत्ती ११.२८

"दूसरे दिन यीशु ने गलील को जाने का निश्चय किया, और फिलिप्पुस को पाकर उससे कहा, मेरे पीछे चला आ।" यूहन्ना १:४३

"जैसे ही यीशु वहाँ से आगे बढ़ा उसने मत्ती नाम के एक मनुष्य को चुंगी चौकी में बैठे देखा, और उसने उससे कहा, "मेरे पीछे आ! वह उठा और उसके पीछे चल दिय।" मत्ती ९:९

"जब दिन निकला तो उसने अपने चेलों को अपने पास बुलाया और उनमें से बारह को चुनकर उन्हें 'प्रेरित' नाम दिया, अर्थात शमौन जिसका नाम उसने पतरस भी रखा, और उसका भाई अन्द्रियास, याकूब और यूहन्ना, फिलिप्पुस, बरतुलमै, मत्ती, थोमा, हलफई का पुत्र याकूब और शमौन जो उत्साही भक्त कहलाता है, और याकूब का बेटा यहूदा, और यहूदा इस्किरियोति " लूका ६:१३–१६

"यीशु ने फिर लोगों से कहा, जगत की ज्योति मैं हूँ। जो मेरे पीछे हो लेगा वह अंधकार में न चलेगा, वरन जीवन की ज्योति पायेगा।" यूहन्ना ८:१२

"तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप का इन्कार करें और अपना क्रूस उठाकर मेरे पीछे चले क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहेगा वह उसे खोएगा, परन्तु जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा, वह उसे पाएगा।" मत्ती १६:२४–२५

"यीशुने उनसे कहा, "मेरे पीछे चलो, मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुए बनाऊंगा" मरकुस १:१७

"इसलिए जाओ और सब जातियों के लोगों को मेरे चेले बनाओ" मत्ती २८:१९

"परन्तु जब पवित्र–आत्मा तुम पर आयेगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे, और यरूश्लेम, सारे यहूदिया और सामरिया में, यहाँ तक कि पृथ्वी के छोर तक तुम मेरे साक्षी होगे"।

भाग ४

"यीशु अपने लोगों को सिखाता व आशीष देता है।"

२०) यीशु अपने शिष्यों को सिखाता है।

"इस भीड़ को देखकर वह पर्वत पर चढ़ गया, और जब बैठ गया तो उसके चेले उसके पास आए। और वह उन्हें यह उपदेश देने लगा।" मत्ती ५:१–२

"उसने रात को यीशु के पास आकर कहा, हे रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से आया हुआ गुरू है, क्योंकि इन चिन्हों को जो तू दिखाता है कोई नहीं दिखा सकता जब तक कि परमेश्वर उसके साथ न हो।" यूहन्ना ३:२

२१. यीशु अपने पीछे चलने वाले लोगों को आशीषित करता है।

''तब वह बच्चों को गोद में लेकर और उनपर हाथ रखकर उन्हें आशीष देने लगा'' मरकुस १०:१६

''तब वह उन्हें बैतनिय्याह तक बाहर ले गया और उसने अपने हाथ उठाकर उन्हें आशीष दी।'' लूका २४:५०

''हे सब थके और बोझ से दबे लोगो, मेरे पास आओ: मैं तुम्हें विश्राम दूँगा। मेरा जुआ अपने ऊपर उठा लो और मुझसे सीखो, क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूँ, और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे। क्योंकि मेरा जुआ सहज और मेरा बोझ हल्का है।'' मत्ती ११:२८–३०

''मैं इसलिए आया हूँ कि वे जीवन पाए, और बहुतायत से पाएँ।'' यूहन्ना १०:१०

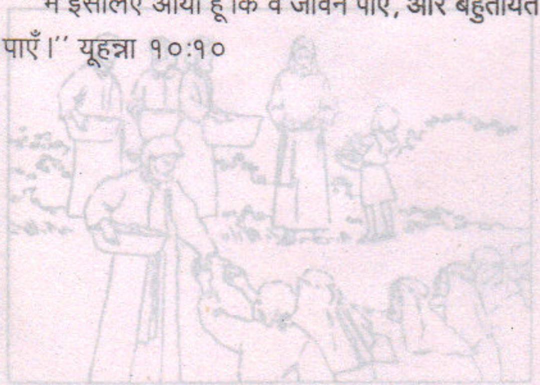

भाग ५

यीशु अपन पीछे चलने वालों की आवश्यकताओं को पूर्ण करता है।

२२) यीशु अपने पीछे चलने वाले लोगों की शारीरिक, आत्मिक तथा सांसारिक आवश्यकताओं को पूरा करता है।

"उसने पांच रोटियों और दो मछलियों को लिया और स्वर्ग की ओर देखते हुए भोजन पर आशिष मांगी और रोटियाँ तोड़ी और उन्हें चेलों को देता गया कि वे उनमें बाँटे। और उसने दो मछलियों को भी उन सब में बाँट दिया।" मरकुस ६:४१

"यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उनके आराधनालयों में उपदेश करता, राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और हर प्रकार की दुर्बलता को दूर करता फिरा" मत्ती ४:२३

"यीशु ने उनसे कहा, "जीवन की रोटी मैं हूँ: जो मेरे पास आता है, भूखा न होगा, और वह जो मुझ पर विश्वास करता है, कभी प्यासा न होगा।" यूहन्ना ६:३५

"वह उसकी महिमा का प्रकाश और उसके तत्त्व का प्रतिरूप है, तथा अपने सामर्थ्य के वचन के द्वारा सब वस्तुओं को सम्भालता है।" इब्रानियों १:३

"मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु मे है तुम्हारी प्रत्येक आवश्यकता पूरी करेगा।" फिलिप्पियों ४:१९

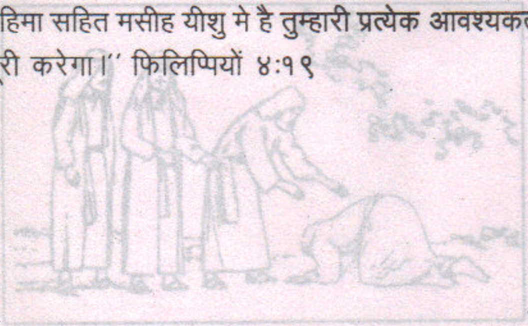

२३) यीशु प्रार्थना का उत्तर देता है।

यीशु उन लोगों की सुनता व मदद करता है जो उसके पास आते हैं।

"और देखो, एक कोढ़ी उसके पास आया और दंडवत करके उससे कहने लगा, "हे प्रभु, यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है। यीशु ने हाथ बढ़ाकर उन्हे छुआ और कहा, मैं चाहता हूँ। तू शुद्ध हो जा" और वह कोढ़ से तुरन्त शुद्ध हो गया।" मत्ती ८:२–३

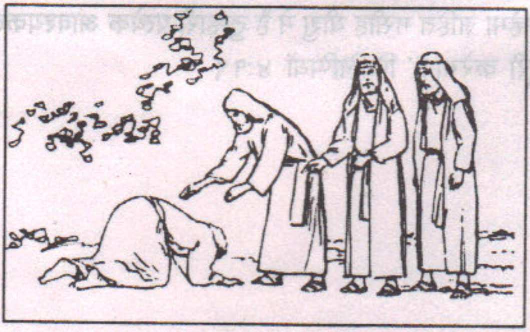

''और जब यीशु ने कफरनहूम में प्रवेश किया तो एक सूबेदार उसके पास आया और बिनती करके कहने लगा, ''हे प्रभु, मेरा सेवक लकवे का मारा घर में पड़ा हुआ अत्यन्त पीड़ा में तड़प रहा है।'' उसने उससे कहा ''मैं आकर उसे चंगा करूंगा।'' मत्ती ८:५–७

''उन्होंने उससे कहा प्रभु, हम चाहते है कि हमारी आंखे खुल जाएं।''

यीशु ने तरस खाकर उनकी आंखों को छुआ, और वे तत्काल ही देखने लगे और उसके पीछे चल दिये।'' मत्ती : २०:३३–३४

''परन्तुं हवा को देखकर वह डर गया, और डूबने लगा तो चिल्लाया, '' प्रभु मुझे बचा''! यीशु ने तुरन्त अपना हाथ बढ़ाकर उसे थाम लिया और उससे कहा, ''हे अल्पविश्वासी, तूने क्यों संदेह किया?'' मत्ती १४:३०–३१

''मांगो तो तुम्हें दिया जायेगा, ढूंढो तो तुम पाओगे, खटखटाओ तो तुम्हारे लिये खोला जायेगा।'' मत्ती ७:७

''तब यीशु ने कहा, ''हे स्त्री, तेरा विश्वास बड़ा है। जैसा तू चाहती है, वैसा ही तेरे लिये हो।'' मत्ती १५:२८

यीशु पापों को क्षमा करता है और लोगों को चंगा करता है।

२८) यीशु पाप क्षमा करता है।

''उनका विश्वास देखकर उसने कहा, ''मित्र, तेरे पाप क्षमा हुए।'' तब शास्त्री और फरीसी तर्क–वितर्क करके कहने लगे, ''यह मनुष्य कौन है जो परमेश्वर की निन्दा करता है? परमेश्वर को छोड़ और कौन पापों को क्षमा कर सकता है?'' पर यीशु ने उनके तर्क वितर्क को भांपकर उत्तर दिया'' तुम अपने मनों में क्यों तर्क कर रहे हो?'' क्या सरल है? यह कहना कि 'तेरे पाप क्षमा हुए' या यह कि 'उठ, चल फिर?' या यह कि 'उठ, चल फिर?' परन्तु इसलिये कि तुम जान जाओ कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है।' उसने लकवे के रोगी से कहा, ''मैं तुझसे कहता हूँ उठ, और अपनी खाट उठाकर घर चला जा।'' वह तत्काल उनके सामने उठ खड़ा हुआ था उसे उठाकर परमेश्वर की महिमा करते हुए घर चला गया।'' लूका ५:२०–२५

''जब यीशु ने कहा, मैं भी तुझे दंड की आज्ञा नहीं देता ।जा, अब से फिर पाप न करना।'' यूहन्ना ८:११

''यह हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की दृष्टि में भला और ग्रहणयोग्य हैं। जो यह चाहता है कि सब लोग उद्धार प्राप्त करें और सत्य को जानें।'' तिमुथियुस २:३–५

क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिए

नहीं भेजा कि जगत को दोषी ठहराये। परन्तु इसलिए कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए।'' यूहन्ना ३:१७

२५) यीशु लोगों को चंगा करता है।

''और जब यीशु पतरस के घर आया, तो उसकी सास को ज्वर से पीड़ित बिस्तर पर पड़े देखा।'' उसने उसका हाथ छुआ और उसका ज्वर उतर गया, और वह उठकर उसकी सेवा-टहल करने लगी और जब संध्या हुई, तो वे बहुत से दुष्टात्मा-ग्रस्त लोगों को उसके पास लाए; और उसने वचन मात्र से ही उन दुष्टात्माओं को निकाला और उन सब को चंगा किया जो बीमार थे।'' मत्ती ८:१४-१६

''और लोग सब बीमारों को जो विभिन्न प्रकार की बीमारियों तथा दुखों से ग्रसित थे, और जिनमें दुष्टात्मायें थी, मिर्गी वालों को, लकवे के मारे हुओं को सबको उसके पास लाए, और उसने उन्हें चंगा किया।'' मत्ती ४:२४

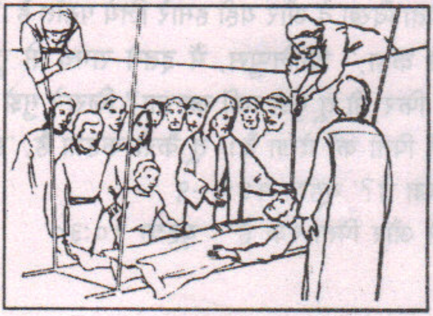

भाग ८

यीशु लोगों को परमेश्वर की ओर जाने में अगुआई करता है और उनको बहुतायत का जीवन देता है।

२६) यीशु एक 'अच्छे चरवाहें' की तरह लोगों को परमेश्वर की ओर जाने के लिए अगुआई करता है, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा. (त्रिएक परमेश्वर, एक परमेश्वर तीन व्यक्ति में अथवा "त्रिएकता")

"अच्छा चरवाहा मैं हूँ। अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिए अपना प्राण देता है।" यूहन्ना १०:११

"यीशु ने उससे कहा, मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूँ। बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता। यदि तुमने मुझे जाना होता तो मेरे पिता को भी जानते हो और उसे देखा भी है। फिलिप्पुस ने उससे कहा,"हे प्रभु, हमको पिता दिखा दे और यही हमारे लिये पर्याप्त है।"यीशु ने उससे कहा," फिलिप्पुस, मैं इतने समय से तुम्हारे साथ हूँ, फिर भी तू मुझे नहीं जानता? जिसने मुझे देखा है, उसने पिता को देखा है। तू कैसे कहता है, 'हमको पिता दिखा दे?' यूहन्ना १४:६–९

"मैं और पिता एक है" यूहन्ना १०:३०

"और मैं पिता से बिनती करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सदा तुम्हारे साथ रहे, अर्थात सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता क्योंकि वह उसे न देखता है और न जानता है, परन्तु तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और तुम में होगा।" यूहन्ना १४:१६–१७

"परन्तु सहायक, अर्थात, पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और सब कुछ जो मैंने तुमसे कहा है, तुम्हें स्मरण कराएगा।" यूहन्ना १४:२६

"इसलिए जाओ और सब जातियों के लोगों को चेले बनाओ तथा उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बापतिस्मा दो, और जो जो आज्ञाएं मैंने तुम्हें दी हैं उनका पालन करना सिखाओ।" मत्ती २८:१९–२०

"प्रभू हमारा परमेश्वर एक ही प्रभु है। और तू प्रभु अपने परमेश्वर से आपने सारे हृदय, और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि और अपनी सारी शक्ति से प्रेम करना।" मुरकुस १२:२९–३१

२७) अपने वचन के द्वारा यीशु लोगों की जीवनभर अगुआई करता है।

''मेरी भेड़ें मेरी आवाज सुनती हैं। मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे चलती है।'' यूहन्ना १०:२७

''और बचपन ही से पवित्रशास्त्र तेरा जाना हुआ है जो मसीह यीशु में विश्वास के द्वारा तुझे उद्धार पाने के लिए बुद्धि दे सकता है। सम्पूर्ण पवित्र शास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रत्ता गया है और शिक्षा, ताड़ना सुधार और धार्मिकता की शिक्षा के लिए उपयोगी है।''
२ तिमुथियुस ३:१५–१६

''प्रभु हमारा परमेश्वर एक ही प्रभु है। और तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे हृदय, और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि और अपनी सारी शक्ति से प्रेम करना।'' मरकुस १२:२९–३१

२७. अपने वचन के द्वारा यीशु लोगों की जीवनभर अगुआई करता है।

''मेरी भेड़ें मेरी आवाज सुनती हैं। मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं।'' यूहन्ना १०:२७

''और बचपन ही से पवित्रशास्त्र तेरा जाना हुआ है जो मसीह यीशु में विश्वास के द्वारा तुझे उद्धार पाने के लिए बुद्धि दे सकता है। सम्पूर्ण से रत्ता गया है। और शिक्षा, ताड़ना सुधार और धार्मिकता की शिक्षा के लिये उपयोगी है।'' २ तिमुथियुस ३:१५–१६

''तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, 'यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप का इन्कार करे और अपना क्रूस उठाकर मेरे पीछे चले क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा, परन्तु जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा, वह उसे पाएगा।''' मत्ती १६:२४–२५

''मैं इसलिये आया हूँ कि वे जीवन पाएं, और बहुतायत से पाएं।'' यूहन्ना १०:१०

''मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ। वे कभी नाश न होंगी, और उन्हें मेरे हाथों से कोई भी छीन नहीं सकता।'' यूहन्ना १०:२८

''ये बातें मैंने तुमसे इसलिए कही है कि मेरा आनन्द तुम में बना रहे, और तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाये।'' यूहन्ना १५:११

यीशु ने सारे जगत का उद्धार किया ।

२८) यीशु ने सब ही के लिये अपना जीवन दे दिया।

''मैं ने यह बात जो मुझ तक पहुँची थी उसे सब से मुख्य जानकर तुम तक भी पहुँचा दी, कि पवित्र शास्त्र के अनुसार मसीह हमारे पापों के लिए मरा ।'' कुरिन्थियों१५:३

''कोई मेरा जीवन मुझ से नहीं छीनता परन्तु मैं उसे अपने आप ही देता हूँ।'' यूहन्ना १०:१८

''तब उसने (पीलातुस) क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए उसे उनके हाथ सौंप दिया और वह अपना क्रूस उठाए हुये उस स्थान तक बाहर गया, जो 'खोपड़ी का स्थान' कहलाता है और जिसे इब्रानी में 'गुलगुता' कहते हैं। वहाँ उन्होंने उसे और उसके साथ दो और मनुष्यों को क्रूस पर चढ़या, एक को इस ओर तथा दूसरे को उस ओर, और बीच में यीशु को।'' यूहन्ना १९:१६–१८

''यीशु ने यह जानकर कि सब कुछ पूरा हो चुका, इसलिए कि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हो, कहा, 'मैं प्यासा हूँ।' वहाँ सिरके से भरा एक बर्तन रखा था, अतः उन्होंने सिरके में भिगोए हुए स्पंज को जूफे की टहनी पर रखा और उसके मुँह से लगाया। जब यीशु ने वह सिरका लिया, तो कहा 'पूरा हुआ,' और उसने सिर झुकाकर प्राण त्याग दिया।'' यूहन्ना १९:२८–३०

''और वह सब के लिए मरा।''

२ कुरिन्थियों ५:१५

''परन्तु परमेश्वर अपने प्रेम को हमारे प्रति इस

प्रकार प्रदर्शित करता है कि जब हम पापी ही थे मसीह हमारे लिये मरा।'' रोमियो ५:८

''क्योंकि तुम जानते हो कि उस निकम्मे चाल-चलन से जो तुम्हें अपने पूर्वजों से प्राप्त हुआ, तुम्हारा छुटकारा सोने या चांदी जैसी नाशवान वस्तुओं से नहीं परन्तु निर्दोष और निष्कलंक मेमने अर्थात मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा हुआ है।'' पतरस १: १८-१९

''देखो, वह परमेश्वर का मेमना है, जो जगत का पाप उठा ले जाता है।'' यूहन्ना १:२९

२९) ''परमेश्वर में हमारे विश्वास के लिये यीशु एक स्त्रोत है।''

''क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उसपर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।'' यूहन्ना ३:१६

''और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु की ओर अपनी दृष्टि लगाए रहें।''

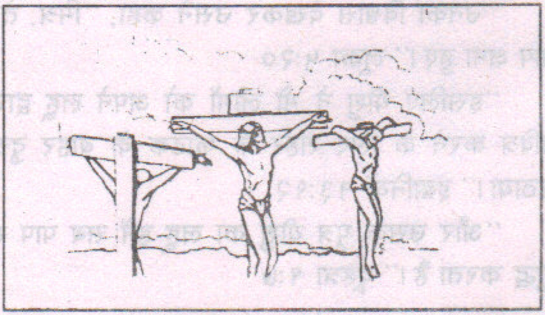

३०) यीशु ने हमें अन्धकार व दंड से बचाया।

"उसने तो हमें अन्धकार के साम्राज्य से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया है, जिसमें हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है।" कलुस्सियों १:१३–१४

"अतः अब उन पर जो मसीह यीशु में समाए हैं, दण्ड की आज्ञा नहीं।" रोमियों ८:१

"जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजने वाले पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, पर मृत्यु से पार होकर वह जीवन में प्रवेश कर चुका है।" यूहन्ना ५:२४

३१) यीशु हमारे पापों को क्षमा और हमें पवित्र करता है।

"उनका विश्वास देखकर उसने कहा, "मित्र, तेरे पाप क्षमा हुए।" लूका ५:२०

"इसलिए यीशु ने भी लोगों को अपने लहू द्वारा पवित्र करने के लिए शहर के फाटक के बाहर दुख उठाया।" इब्रानियों १३:१२

"और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पाप से शुद्ध करता है।" यूहन्ना १:७

३२) यीशु ने हमें धर्मी ठहराया ।

"अनेक अपराधों के कारण ऐसा वरदान उत्पन्न हुआ जिसका प्रतिफल धार्मिकता हुआ।"

३३) यीशु के साथ हम आत्मिकता में जीवित हैं।

"परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है, अपने उस महान प्रेम के कारण जिससे उसने हमसे प्रेम किया, जबकि हम अपने अपराधों के कारण मरे हुए थे उसने हमें मसीह के साथ जीवित किया अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है।" इफिसियों २:४–५

"क्योंकि तुमने नाशमान नहीं वरन अविनाशी बीज से, अर्थात् परमेश्वर के जीवित तथा अटल वचन द्वारा, नया जन्म प्राप्त किया है।" पतरस १:२३

"पर जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की दया और मनुष्यों के प्रति उसका प्रेम प्रकट हुआ, तो उसने हमारा उद्धार किया, यह हमारे द्वारा किए धर्म के कामों के आधार पर नहीं, परन्तु उसने अपनी दया के अनुसार अर्थात पवित्र आत्मा द्वारा नए जन्म और नये बनाये जाने के स्नान से किया।" तीतुस ३:४–५

३४) यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा हम परमेश्वर में धर्मी ठहराये गये हैं।

"क्योंकि उसकी दृष्टि में कोई प्राणी व्यवस्था के

कार्यों से धर्मी नहीं ठहरेगा, क्योंकि व्यवस्था के द्वारा पाप का बोध होता है। परन्तु अब व्यवस्था से पृथक परमेश्वर की धार्मिकता प्रकट हुई है, जिसकी साक्षी व्यवस्था और नबी देते हैं। अर्थात परमेश्वर की वह धार्मिकता जो यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा सब विश्वास करनेवालों के लिए है। कुछ भेद नहीं; इसलिए कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं। वे उसके अनुग्रह ही से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत मेंत धर्मी ठहराये जाते है।'' रोमियों ३: २०–२४

''परन्तु वह जो काम नहीं करता, वरन उस पर विश्वास करता है जो भक्तिहीन को धर्मी ठहराता है, उसका विश्वास धार्मिकता गिना जाता है।'' रोमियो ४:५

''यीशु जो पाप से अनजान था, उसी को उसने हमारे लिये पाप ठहराया कि हम उसमें परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं।'' २ कुरिन्थियों ५:२१

३५) यीशु हमें परमेश्वर के प्रकोप से बचाता है और हमें शान्ति देता है।

''अतः इससे बढ़कर उसके लहू के द्वारा धर्मी ठहराये जाकर, हम उसके द्वारा परमेश्वर के प्रकोप से क्यों न बचेंगे?'' रोमियो ५:९

''इसलिये विश्वास से धर्मी ठहराये जाकर परमेश्वर

से हमारा मेल अपने प्रभु यीशु के द्वारा है।" रोमियो ५:१

३६) यीशु ने शैतान और मृत्यु पर विजय पाई।

"अतः जिस प्रकार बच्चे मांस और लहू में सहभागी हैं, तो वह आप भी उसी प्रकार उनमें सहभागी हो गया, कि मृत्यु के द्वारा उसको जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली है, अर्थात् शैतान को शक्तिहीन कर दे।" इब्रानियों २: १४–१५

३७) यीशु हमसे मेल रखता है।

"क्योंकि जहब हम शत्रु ही थे, हमारा मेल परमेश्वर के साथ उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा तुमसे मेल कर लिया है कि तुम्हें अपने समक्ष पवित्र, निष्कलंक और निर्दोष बनाकर उपस्थित करें।" कुलस्सियों १:२२

३८) यीशु ने हमें अपना बनाने के लिये चुना।

"तुमने मुझे नहीं चुना, परन्तु मैंने तुम्हें चुना।" युहन्ना १५: १६

"परन्तु तुम एक चुना हुआ वंश, राजकीय याजकों का समाज, एक पवित्र प्रजा, और परमेश्वर की निज सम्पत्ति हो, जिससे तुम उसके महान गुणों का प्रकट करो जिसने तुम्हें अंधकार से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है।" १ पतरस २: ९

३९) यीशु हमसे प्रेम करता है।

"इस से महान प्रेम और किसी का नहीं, कि कोई अपने मित्रों के लिए अपना प्राण दे।" यूहन्ना १५:१३

"मैंने तुम से प्रेम किया है।" यूहन्ना १५:९

४०) यीशु हमें चंगा करता है।

"क्योंकि उसके घावों से तुम स्वस्थ हुए हो।" १ पतरस २:२४

४१) यीशु हमें खुशियाँ देता है।

"ये बातें मैंने तुम से इसलिए कही हैं कि मेरा आनन्द तुम में बना रहे, और तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए।" यूहन्ना १५:११

"धन्य हैं वे जिनके अपराध क्षमा हुए, और जिनके पाप ढांपे गए।" रोमियों ४:७

"और सारी भीड़ महिमा के उन सब कामों से जो उसके द्वारा किए जाते थे, आनन्दित हुई।" लूका १३:१७

"इस बात से आनन्दित होओ कि तुम्हारे नाम स्वर्ग में लिखे हुए हैं।"

४२) "यीशुने हमारे लिये स्वर्ग में जगह तैयार की।"

"मेरे पिता के घर में रहने के बहुतसे स्थान हैं। और मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ।" यूहन्ना १४:२

४३) यीशु अपने लोगों (विश्वासियों) को अनन्त जीवन देता है।

"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।" रोमियों ६:२३

"मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ। वे कभी नाश न होंगी, और उन्हें मेरे हाथों से कोई भी छीन नहीं सकता।" यूहन्ना १०:२८

"यीशु ने उससे कहा, "पुनरूत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो मुझ पर विश्वास करता है, कभी नहीं मरेगा। क्या तू इस पर विश्वास करती है?" यूहन्ना ११:२५–२६

"यीशु ने उससे कहा 'मैं तुझ से सच कहता हूँ कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा।'" लूका २३:४३

४४) यीशुनें जगत को मुक्ति दी।

"क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उसपर विश्वास करे वह नाश न हो परन्तु अनन्त जीवन पाए।" यूहन्ना ३:१६

"किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया है जिसके द्‌वारा हम उद्धार पाएं।" प्रेरितों के काम ४:१२

"यीशु ने उससे कहा, "आज इस घर में उद्धार आया है।" लूका १९:९

भाग १०

यीशु अपने लोगों (विश्वासियों) को नया जीवन देता है।

"यीशु ने उस से कहा," हे नारी, तू क्यों रो रही है? तू किसे ढूँढ रही हैं?" उसने उसे माली समझ कर उससे कहा, "महोदय, यदि तू उसे कहीं उठा ले गया है तो मुझे बता कि तूने उसे कहां रखा है, और मैं उसे ले जाऊँगी। यीशु ने उससे कहा, "मरियम! उसने मुड़कर इब्रानी में कहां "रब्बूनी! (जिसका अर्थ है गुरू।)" यूहन्ना २०:१५–१६

"वह यहाँ नहीं है, क्योंकि वह अपने कहने के अनुसार जी उठा है। आओ, उस जगह को देखो जहाँ वह पड़ा हुआ था। उसके चेलों को शीघ्र जाकर बताओ कि वह मरे हुओं में से जी उठा है, और देखो, वह तुमसे पहिले गलील को जायेगा वहाँ तुम उसे देखोगे। देखो, मैंने तुम्हें बता दिया है। इस पर वे भय और बड़े आनन्द के साथ शीघ्र कब्र से लौटीं और चेलों को यह समाचार देने के लिए दौड़ पड़ी।" मत्ती २८:६–९

"अपने दुख–भोग के पश्चात् उसने अनेक ठोस प्रमाणों से उन पर अपने आप को जीवित प्रकट किया, और चालीस दिन तक दिखाई देता रहा, और परमेश्वर के राज्य के विषय में उनसे बातें करता रहा।" प्रेरितों के काम १:३

"मैंने यह बात जो मुझ तक पहुँची थी उसे सबसे मुख्य जानकर तुम तक भी पहुँचा दी, कि पवित्र शास्त्र के अनुसार मसीह हमारे पापों के लिये मरा, और गाड़ा गया, तथा पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे दिन भी जी उठा, तब वह कैफा को, और फिर बारहों के दिखाई दिया। इसके पश्चात् वह पांचसौ से अधिक भाइयों को एक साथ दिखाई दिया।" १ कुरिन्थियों १५: ३–६

"और सबसे अन्त में मुझे भी दिखाई दिया।" कुरिन्थियों १५:८

४६) यीशु का पुनरूत्थान अपने लोगों (विश्वासियों) के लिये नया जीवन लाया।

"मैं जीवित हूँ, इसलिए तुम भी जीवित रहोगे।" यूहन्ना १४:१९

"परमेश्वर का प्रेम हम में इसी से प्रकट हुआ कि परमेश्वरने अपने एकलौते पुत्र को संसार में भेज दिया कि हम उसके द्वारा जीवन पाएं। प्रेम इसमें नहीं कि हमने परमेश्वर से प्रेम किया, परन्तु इसमें है कि उसने हमसे प्रेम किया और हमारे पापों के प्रायश्चित के लिए अपने पुत्र को भेजा। प्रियो, यदि परमेश्वर ने हमसे ऐसा प्रेम किया तो हमको भी एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए।" १ यूहन्ना ४:९–११

"अब मैं जीवित नहीं रहा, परन्तु मसीह मुझ में जीवित है।" गलातियों २:२०

"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।" रोमियों ६:२३

"और न कोई सृजी हुई वस्तु हमें परमेश्वर के प्रेम से जो हमारे प्रभु यीशु मसीह में हैं, अलग कर सकेगी।"

रोमियों ८:३९

"परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया जयवन्त से भी बढ़कर हैं।" रोमियों ८:३७

"अब हम इन बातों के विषय में क्या कहें? यदि परमेश्वर हमारे पक्ष में है, तो कौन हमारे विरुद्ध है? वह जिसने अपने पुत्र को भी नहीं छोड़ा परन्तु उसे हम सबके लिये दे दिया, तो वह उसके साथ हमें सब कुछ उदारता से क्यों न देगा?" रोमियों ८:३१–३२

"अतः अब उन पर जो मसीह यीशु में हैं, दण्ड की आज्ञा नहीं" रोमियों ८:१

"और वह सबके लिए मरा कि वे जो जीवित हैं आगे को अपने लिये न जीएं परन्तु उसके लिए जीएं, जो उनके लिंए मरा और फिर जी उठा।" २ कुरिन्थियों ५:१५

"मेरे पिता के घर में रहने के बहुत से स्थान हैं। यदि न होते, तो मैं तुमसे कह देता, क्योंकि मैं तुम्हारे लिए जगह तैयार करने जाता हूँ। और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूं तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि जहाँ मैं हूँ, वहाँ तुम भी रहो।" यूहन्ना १४:२–३

''यीशु ने उससे कहा, ''मैं तुझ से सच कहता हूँ कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा।'' लूका २३:४३

''हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर की स्तुति हो, जिसने यीशु मसीह को मृतकों में से जिला उठाने के द्वारा, अपनी अपार दया के अनुसार, एक जीवित आशा के लिये हमें नया जन्म दिया, कि उस उत्तराधिकार को प्राप्त करें जो अविनाशी, निष्कलंक और अमिट है और तुम्हारे लिये स्वर्ग में सुरक्षित है।'' १ पतरस १:३–४

''तुमने तो उसे नहीं देखा, फिर भी तुम उससे प्रेम करते हो। और यद्यपि तुम उसे अभी भी नहीं देखते, फिर भी उस पर विश्वास करते हो और ऐसे आनन्द से आनन्दित होते हो जो वर्णन से बाहर और महिमा से परिपूर्ण है, और अपने विश्वास के प्रतिफलस्वरूप अपनी आत्माओं का उद्धार प्राप्त करते हो।'' १ पतरस १:८–९

४७) यीशु अपनी कलीसिया बनाता है।

"मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा।" मत्ती १६:१८

४८) यीशु ने पवित्र शास्त्र के द्वारा अपने को प्रगट किया।

"यीशुने समस्त पवित्र शास्त्र में से अपने सम्बन्ध की बातों का अर्थ उन्हें समझा दिया।" लूका २४:२७

४९) परमेश्वर अपने वचन के द्वारा लोगों को अपने विश्वास में लाता है।

"परन्तु ये जो लिखे गए हैं इसलिए लिखे गए कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है, और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ।" यूहन्न २०:३१

"आत्मा ही है जो जीवन देता है, शरीर से कुछ लाभ नहीं। जो बातें मैंने तुमसे कही हैं, वे आत्मा और जीवन हैं।" यूहन्ना ६:६३

"मुझे सुसमाचार पर पूरा भरोसा है यह परमेश्वर की ताकत है जो उसपर विश्वास करने वालों को बताती हैं।" रोमियों १:१६

५०) यीशु ने अपने लोगों (विश्वासियों) को आत्मिक रूप से मजबूत बनाने के लिये पवित्र आत्मा को भेजा।

"जब वह सहायक आएगा जिसे मैं पिता की ओर से तुम्हारे पास भेजूँगा, अर्थात सत्य का आत्मा, जो पिता से निकलता है, वह मेरी साक्षी देगा, और तुम भी साक्षी दोगे, क्योंकि तुम आरम्भ से ही मेरे साथ रहे हो।" यूहन्ना १५:२६-२७

"परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे, और यरूश्लेम, सारे यहूदिया और सामरिया में, यहाँ तक कि पृथ्वी के छोर तक तुम मेरे साक्षी होगे।" प्रेरितों के काम १:८

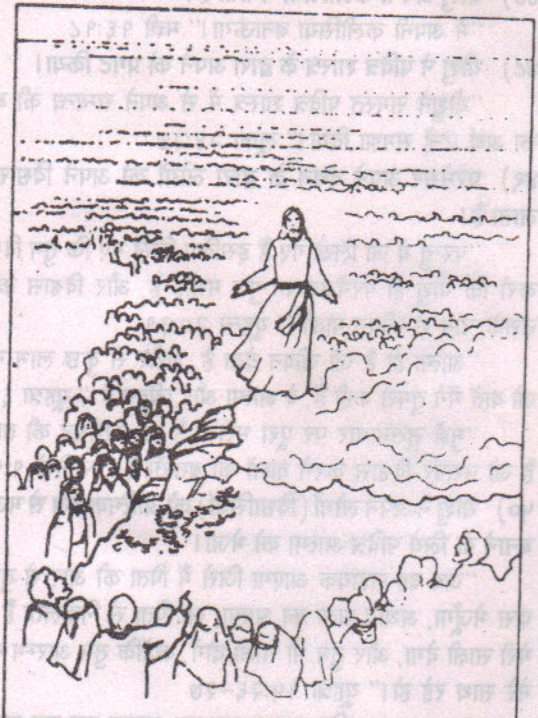

५१) यीशु के गवाहों की सहायता से उसका सुसमाचार लोगों तक हर जगह फैल गया।

"उसने उसे यीशु के विषय में सुसमाचार सुनाया।" प्रेरितों के काम ८:३५

"वे प्रतिदिन मंदिर में और घर–घर में शिक्षा देने तथा यह उपदेश करने में लगे रहे कि यीशु ही मसीह है।" प्रेरितों के काम ५:४२

"अतः उसके बारे में यह समाचार तुरन्त ही गलील के आसपास के सारे प्रदेश में फैल गया।" मरकुस १:२८

"इसलिए जाओ और सब जातियों के लोगों को चेले बनाओ।" मत्ती २८:१९

५२) यीशु की कलीसिया बढ़ने लगी।

"परमेश्वर का वचन फैलता गया और यरूशलेम में चेलों की संख्या अत्यधिक बढती गई।" प्रेरितों के काम ६:७

"और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उनमें मिला दिया करता था।" प्रेरितों के काम २:४७

"उसने कुछ को प्रेरित, कुछ को भविष्यद्वक्ता, कुछ को सुसमाचार प्रचारक, कुछ को पास्टर और कुछ को शिक्षक नियुक्त करके दे दिया कि पवित्र लोग सेवा–कार्य के योग्य बनें और मसीह की देह तब तक उन्नति करे।" इफिसियों ४:११–१२

५३) विश्वासी लोग मसीही कहलाये।

"और चेले सब से पहले अन्ताकिया में मसीही कहलायें।" प्रेरितों के काम ११:२६

५४) "मसीहियों को यीशु के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिये।"

"हमारे उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह और ज्ञान में बढ़ते जाओ।" २ पतरस ३:१८

यीशु अपने लोगों (विश्वासियों) को स्वर्गीय आनन्द देता है।

५५) यीशु महिमा और सामर्थ्य से स्वर्ग पर चढ़ गया।

"इतना कहने के पश्चात वह उनके देखते–देखते ऊपर उठा लिया गया, और बादल ने उसे उनकी आँखों से ओझल कर दिया।" प्रेरितों के काम १:९

"वह जो बैठा था यशब और माणिक्य के सदृश दिखाई देता था, और उस सिंहासन के चारों ओर पन्ना के सदृश एक मेघधनुष दिखाई देता था।" प्रकाशित वाक्य ४:३

"तब यीशु ने उनके पास आकर कहा, स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।" मत्ती २८:१८

५६) यीशु फिर प्रगट होंगे।

"यही यीशु जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, वैसे ही फिर आएगा जैसे तुमने उसे स्वर्ग में जाते देखा है।" प्रेरितों के काम १:११

"देखो, वह बादलों के साथ आनेवाला है, हर एक आंख उसे देखेगी।" प्रकाशित वाक्य १:७

"क्योंकि जैसे बिजली पूर्व से निकल कर पश्चिम तक चमकती है, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आना होगा।"

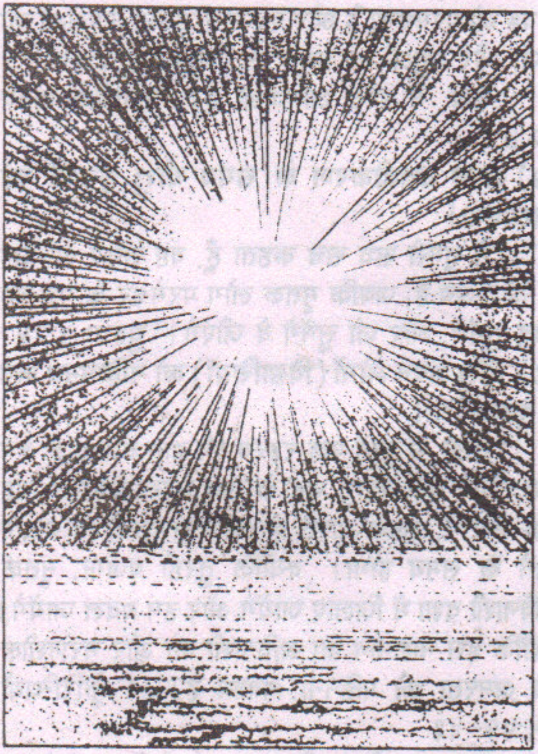

मत्ती २४:२७

"जिसे वह (परमेश्वर) उचित समयपर प्रकट करेगा – वह जो परमधन्य है और एकमात्र सम्राट, राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।" १ तिमुथियुस ६:१५

"देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूँ।" प्रकाशित वाक्य २२:७

५७) अपने प्रगटीकरण के समय यीशु मृतकों को जिलाएगा।

"मैं तुमसे सच सच कहता हूँ, वह समय आ रहा है, और अब है, जबकि मृतक लोग परमेश्वर के पुत्र का शब्द सुनेंगे, और जो सुनेंगे वे जीएंगे।" युहन्ना ५:२५

५८) यीशु अपने लोगों (विश्वासियों) को महिमामय रूप में बदल देगा।

"देखो, मैं तुम्हें एक रहस्य की बात बताता हूँ: हम सब सोएंगे नहीं परन्तु सब के सब बदल जाएंगे। यह एक क्षण में, पलक मारते ही, अन्तिम तुरही के बजाए जाने के समय होगा। क्योंकि तुरही बजेगी, मृतक अविनाशी दशा में जिलाए जायेंगे और हम बदल जायेंगे। क्योंकि इस नाशमान का अविनाशी को और मरणशील का अमरता को पहिनना अवश्य है।" १ कुरिन्थियों १५:५१–५३

"परन्तु हमारी नागरिकता स्वर्ग की है, जहां से हम उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के आगमन की प्रतीक्षा

उत्सुकता से कर रहे हैं। वह अपनी शक्ति के उस प्रभाव के अनुसार जिसके द्वारा वह सब वस्तुओं को अपने वश में कर सकता है, हमारे दीन–हीन देह का रूप बदल कर, अपनी महिमामय देह के अनुरूप बना देगा।'' फिलिप्पियों ३:२–२१

''प्रियों, हम परमेश्वर की सन्तान हैं और अब तक यह प्रकट नहीं हुआ कि हम क्या होंगे। पर यह जानते हैं कि जब वह प्रकट होगा तो हम उसके सदृश होंगे, क्योंकि हम उसको ठीक वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।'' १ यूहन्ना ३:२

५९) जब यीशु का पुनरागमन होगा तब वर्तमान पृथ्वी का नाश हो जायेगा और परमेश्वर हर वस्तु को नया रूप देगा।

''परन्तु प्रभु का दिन तीर के सदृश आएगा जिसमें आकाश बड़ी गर्जन के साथ लुप्त हो जाएगा और तत्त्व प्रचण्ड ताप से नष्ट हो जायेंगे और पृथ्वी तथा उस पर किये गए कार्य भस्म हो जाएंगे।'' २ पतरस ३:१०

''परन्तु उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार हम एक नए आकाश और नई पृथ्वी की राह देख रहे हैं जिसमें धार्मिकता वास करती है।'' २ पतरस ३:१३

''तब जो सिंहासन पर बैठा था, उसने कहा, देख, मैं सब कुछ नया कर देता हूँ।'' प्रकाशितवाक्य २१:५

६०) यीशु अपने लोगों (विश्वासियों) के लिए स्वर्ग में जगह तैयार करने गया।

"मेरे पिता के घर में रहने के बहुतसे स्थान हैं। और मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ।" यूहन्ना १४:२

"तब मैंने नया आकाश और नयी पृथ्वी को देखा क्योंकि पहिला आकाश और पहिली पृथ्वी मिट गई थी, और कोई समुद्र भी न रहा। फिर मैंने पवित्र नगरी, नए यरूशलेम को परमेश्वर की ओर से स्वर्ग से उतरते देखा; वह ऐसी सजाई गई थी जैसी दुल्हिन अपने पति के लिए सिंगार किए हो। तब मैंने सिंहासन से एक ऊँची आवाज को यह कहते सुना, देखो, परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में हैं, वह उनके मध्य निवास करेगा। वे उसके लोग होंगे तथा परमेश्वर स्वयं उनके मध्य रहेगा, और वह उनकी आंखों से सब आंसू पोंछ डालेगा; फिर न विलाप और न पीड़ा रहेगी। पहिली बातें बीत गई हैं।" प्रकाशितवाक्य २१:१–४

"और उसने मुझे पवित्र नगरी यरुशलेम को स्वर्ग में से परमेश्वर के पास से नीचे उतरते हुए दिखाया। परमेश्वर की महिमा उसमें थी। उसकी चमक अत्यन्त बहुमूल्य पत्थर अर्थात उस यशब के समान थी जो स्फटिक सदृश उज्ज्वल था।" प्रकाशित वाक्य २१:१०–११

"नगर की सड़क पारदर्शक कांच के सदृश चोखे सोने की बनी थी।" प्रकाशित वाक्य २१:२१

"मैंने नगर में कोई मन्दिर न देखा, क्योंकि

सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर और मेम्ना ही मंदिर है। उस नगर को सूर्य और चांद के प्रकाश की आवश्यकता नहीं, क्योंकि परमेश्वर की महिमा ने उसे आलौकित किया है और मेम्ना उसका दीपक है।'' प्रकाशित वाक्य २१:२२–२३

''फिर स्वर्गदूत ने मुझे जीवन के जल की नदी दिखाई, जो स्फटिक के समान स्वच्छ थी और जो परमेश्वर और मेम्ने के सिंहासन से निकलकर नगर के मुख्य मार्ग के बीच बहती है। नदी के दोनों किनारों पर जीवन का वृक्ष था।'' प्रकाशित वाक्य २२:१–३

६१) यीशु व्यक्तिगत रूप से अपने लोगों (विश्वासियों) को स्वर्ग ले जायेगा।

''मैं फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि जहाँ मैं रहूँ, वहाँ तुम भी रहो।'' यूहन्ना १४:३

''पर जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा और सब स्वर्गदूत उसके साथ आएंगे, तो वह अपने महिमामय सिंहासन पर विराजमान होगा। और सब जातियाँ उसके सम्मुख एकत्रित की जाएंगी; और वह उन्हें एक दूसरे से अलग करेगा, जैसे चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग करता है। वह भेड़ों को अपनी दाहिनी ओर, तथा बकरियों को बाईं ओर करेगा। तब राजा अपने दाहिने हाथ वालों से कहेगा 'हे मेरे पिता के धन्य लोगों, आओ, उस राज्य के अधिकारी बनो जो

जगत की उत्पत्ति से तुम्हारे लिये तैयार किया गया है।" मत्ती २५:३१–३४

"तब वह बायीं ओर वालों से कहेगा, 'हे शापित लोगों, मुझ से दूर होकर उस अनन्त अग्नि में जा पडो जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है।" मत्ती २५:४१

"ये लोग अनन्त दंड भोगेंगे, परन्तु धर्मी अनन्त जीवन में प्रवेश करेंगे।" मत्ती २५:४६

"यीशु ने उससे कहा, मैं तुझ से सच कहता हूँ कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा।" लूका २३:४३

"और देखो, प्रत्येक जाति, समस्त कुल, लोग और भाषा में से लोगों की एक विशाल भीड़ जिसे कोई गिन नहीं सकता था श्वेत वस्त्र पहने तथा हाथों में खजूर की डाली लिए सिंहासन और मेम्ने के सामने खड़ी थी, और लोग ऊँची आवाज से पुकार कर कह रहे थे, सिंहासन पर विराजमान हमारे परमेश्वर और मेमने से ही उद्धार है। सिंहासन के, प्राचीनों के, और चारों प्राणियों के चारों ओर समस्त स्वर्गदूत खडे हुए थे। उन्होंने सिंहासन के सामने मुँह के बल गिरकर और यह कह कर परमेश्वर की वन्दना की, आमीन।" हमारे परमेश्वर की स्तुति महिमा, ज्ञान, धन्यवाद, आदर, सामर्थ्य, और शक्ति युगानुयुग हो। आमीन।" प्रकाशित वाक्य ७:९–१२

६२. निष्कर्ष

''क्योंकि मेरे लिये जीवित रहना तो मसीह, और मरना लाभ है। परन्तु यदि सदेह जीवित रहूँ तो इसका अर्थ मेरे लिए फलदायी परिश्रम है; परन्तु मैं किस बात को चुनूं, यह नहीं जानता। मैं इन दोनों के बीच असमन्जस में पड़ा हूँ। मेरी लालसा तो यह है कि कूच करके मसीह के पास जा रहूँ, क्योंकि यह अति उत्तम है, परन्तु तुम्हारे कारण शरीर में जीवित रहना मेरे लिये अधिक आवश्यक है।'' फिलिप्पियों १:२१–२४

''और यरूश्लेम, सारे यहूदिया और सामरिया में, यहां तक कि पृथ्वी के छोर तक तुम मेरे साक्षी होंगे।'' प्रेरितों के काम १:८

''प्रभु के कार्य में सर्वदा बढ़ते जाओ।'' १ कुरिन्थियों १५:५८

''और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करने वाले यीशु की ओर अपनी दृष्टि लगाए रहें।'' इब्रानियों १२:२

''अब जो ठोकर खाने से तुम्हारी रक्षा कर सकता है, और अपनी महिमा की उपस्थिति में तुम्हें निर्दोष और आनन्दित करके खड़ा कर सकता है, उस अद्वैत परमेश्वर हमारे उद्धारकर्ता की महिमा, गौरव, पराक्रम एवं अधिकार, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा जैसा सनातन काल से है, अब भी हो और युगानुयुग रहे।'' आमीन।''
यहूदा १:२४–२५